KGMU FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES
PARAMEDICAL STUDENT'S OATH

I solemnly pledge myself before God almighty and in the presence of this assembly, to pass my life in purity and to practice my profession faithfully. I will apply, for the benefit of the sick, all measures which are required I will abstain from whatever is deleterious and mischievous, and will do no harm to those who seek my service. I will do all in my power to maintain and elevate the standard of my profession, and will hold in confidence all personal matters committed to my keeping and all family affairs coming to my knowledge in the practice of my calling. I will not be ashamed to say "I know not," nor will I fail to call in my colleagues when the skills of another are needed for a patient's recovery. I will remember that I will not only care a fever chart, a cancerous growth, but a sick human being, whose illness may affect the person's family and economic stability. I will remember that I remain a member of society, with special obligations to all my fellow human beings, those sounds of mind and body as well as the infirm. With loyalty will I endeavour to aid the physicians and medical fraternity in their work, and devote myself to the welfare of those committed to my care.

So help me God.

के. जी. एम. यू. फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल साइर्सेज
पैरामेडिकल छात्रों की शपथ

मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर एवं सभा में उपस्थित समस्त लोगों के समक्ष, यह प्रतिज्ञा लेता/लेती हूँ कि मैं जीवन पर्यन्त, अपना अध्ययन एवं अभ्यास, पवित्रता और ईमानदारी से करूँगा/करूँगी। मैं रोगियों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहूँगा/रहूँगी और ऐसा कोई कार्य नहीं करूँगा/करूँगी, जिससे रोगी, चिकित्सा विश्वविद्यालय, समाज एवं राष्ट्र को हानि पहुँचे तथा उसकी गरिमा को ठेस पहुँचे। चिकित्सा क्षेत्र से सम्बन्धित, किसी भी आवश्यकता के लिए, मैं पूर्ण रूप से समर्पित रहूँगा/रहूँगी।

मैं अपनी पूर्ण क्षमता का प्रयोग करते हुए चिकित्सकीय क्षेत्र के मानकों का न केवल पालन करूँगा/करूँगी, वरन् उनको नित नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रयासरत रहूँगा/रहूँगी। मैं मादक पदार्थों के प्रयोग एवं असमाजिक तत्वों से सदैव दूर रहूँगा/रहूँगी।

मैं रोगी एवं उसके परिजनों के द्वारा बतायी गयी जानकारी की गोपनीयता को बनाये रखूँगा/रखूँगी। आवश्यकता पड़ने पर, मैं अपने सहयोगियों से सहायता लेने में कभी संकोच नहीं करूँगा/करूँगी। मैं अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा के साथ करूँगा/करूँगी। मैं चिकित्सकों और चिकित्सा क्षेत्र से सम्बन्धित सभी लोगों के साथ मधुर सम्बन्ध रखूँगा/रखूँगी तथा उनकी सहायता के लिए भी सदैव तत्पर रहूँगा/रहूँगी। मैं जनमानस की देखभाल और उनके कल्याण के लिए अपने आप को समर्पित करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

इसके लिए ईश्वर मुझे शक्ति प्रदान करें।